××× अनुक्रमणिका ×××

प्रथम अध्याय :

आधुनिक बोध – स्वरुप विवेचन –

स्वरुप, परिभाषा, आधुनिक बोध और आधुनिकीकरण, आधुनिकता और कविता, आधुनिकता और परंपरा, आधुनिकता और इतिहास बोध, आधुनिकता और विज्ञान का प्रभाव, आधुनिकता सम सामयिकता नहीं एक जीवन दृष्टि, आधुनिकता बोध और मध्ययुगीन बोध।

द्वितीय अध्याय :

धूमिल के काव्य की अवधारणा, धूमिल व्यक्तित्व और कृतित्व –

जीवनी – जन्म एवं जन्मथान, बाल्यकाल, पारिवारिक जीवन, विद्यार्थी जीवन, वैवाहिक जीवन, साहित्यिक प्रेरणा, आजीविका।

व्यक्तित्व – जनता के प्रतिनिधी, व्यक्तित्व निर्माण में आदर्श पुरुष, व्यक्तित्व की सबसे बडी पहचान, आक्रोश, साहित्यिक प्रभाव, आधुनिक विचार, आधुनिक स्वर, मृत्यु।

कृतित्व – कवि की कृतियाँ – संसद से सडक तक, सुदामा पांडे का प्रजातंत्र, कल सुनना मुझे, बांसुरी जल गई। कवि संबंधी रचनाएँ – कटघरे का कवि धूमिल, धूमिल और उसका काव्यसंघर्ष, धूमिल की कविताएं, धूमिल की चुनरी, समकालीन बोध और धूमिल का काव्य, विपक्ष का कवि धूमिल, सुदामा पांडे धूमिल की कविता में यथार्थ बोध।

तीसरा अध्याय :

धूमिल के काव्य में आधुनिक बोध –

रुढि, परंपरा, अमीर, गरीब, उच्चवर्ग, निम्नवर्ग, शोषक, सर्वहारा वर्ग, पक्षधरता, प्रतिबध्दता, पूंजीपति, मेहनतकश मजदूर, अमानवीय कृत्य, निरक्षरता,

चौथा अध्याय :

धूमिल के काव्य में सामाजिक परिप्रेक्ष्य –

विषमता एवं शोषणपर आधारित आर्थिक ढांचा, भूख, ऊब, सहनशीलता, प्रजातंत्र, भ्रष्टाचार, पूंजीपति लोग, बुध्दिजीवी वर्ग, नारी समस्या, प्रेम तथा यौन संबंधां का विश्लेषण, परिवर्तित समाज क्रांति।

पाँचवा अध्याय :

धूमिल के काव्यमें राजनीतिक परिप्रेक्ष्य –

राजनीतिक व्यवस्था, राजनेता चुनाव, शोषण, स्वतंत्रता, राजनीतिज्ञों का चरित्र, स्वाधीनता, राजनीतिक प्रतिबध्दता, राजनीति में अन्तर्विरोध, जनतंत्र, समाजवाद, संसद, संविधान, सडक जैसे शब्द।

छठा अध्याय :

धूमिल के काव्यमें व्यंग्य विधान –

वैचारिक क्रांतिका स्वर, पीडा, उपेक्षा, आक्रोश, मानसिक भूमिका, विकृतियाँ एवं जटिलताएं, कटूक्ति, विडंबनाओं, वक्रोक्ति।

सातवाँ अध्याय :

धूमिल के काव्य में आर्थिक परिप्रेक्ष्य –

समाज की आर्थिक दशा का चित्रण, आर्थिक अभाव, विषमता, संघर्ष, शोषक, आर्थिक विषमता के कारण, भूख, उदासीनता, विवशता, पूंजीवादी समाज व्यवस्था, कूटनीतियाँ, विद्रोह।

आठवाँ अध्याय :

धूमिल के काव्य में शिल्प विधान –

शिल्प विधान में भाषा के सामाजिक संस्कार, भाषा की विविधता, भाषा शिल्प और कला, बिंबयोजना, छंदविधान, प्रतीक विधान, लोकोक्तियाँ और मुहावरे अलंकार।

नववाँ अध्याय :

समापन –

ग्रंथसूची –